**कम्पनीज एक्ट, 1956**

**(Companies Act, 1956)**

**कम्पनीज एक्ट, 1956 की धारा 433 सपठित धारा 439 के अन्तर्गत उत्तर दाता की कम्पनी को बन्द करने हेतु याचिका**

**(Petition u/sec. 433 r/w sec. 439 of the Companies Act, 1956 for winding up of the Respondent Company)**

न्यायालय ............

कम्पनी याचिका नंबर ............ सन्........

(कंपनीज एक्ट, 1956 के मामले में)

और

निम्नांकित के मामले में

अ० ब० स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............. प्रतिवादी

श्रीमान जी,

याची निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि उपरोक्त नामित याचिका दायर कर्ता का पता सभी नोटिस तामील के वास्त और सुनवाई के लिए उसके अधिवक्ता का है ।
2. यह कि उपरोक्त नाम की कम्पनी ............. (जिसे वाद में कम्पनी कहकर ही उल्लखकर जायगा) कपनीज एक्ट 1956 (1956 का 1) के अन्तर्गत.......नाम से दिनांक ............ गठित की गई थी जिसका प्रमाण पत्र कंपनीज निबंधक..द्वारा निर्गत संख्या ........... है ।
3. यह कि कपनीज निबंधक का कार्यालय ............ में स्थित है।
4. यह कि कम्पनी की अधिकत पँजी रु० है जो कि .......... शयरस रु० ............. में विभक्त है । कम्पनी का पेडअप केपिटल रु० निबंधक के अभिलेखो से भी प्रकट होता है।
5. यह कि जिन उद्देश्यों के लिए कम्पनी का गठन किया गया था जैसा कि कम्पनि के मेमोरेन्डम आफ एसोसियेशन में दिया। निम्न प्रकार दिया जा रहा है।

( यहां पर कम्पनी के उद्देश्यों का उल्लेख करें जिनके लिए उसका गठन किया )

(केस के तथ्य भी दर्ज किये जायें)

1. यह कि याची द्वारा मौखिक रूप से बार बार अनरोध किये जाने के बावजूद और साथ ही

उसके अनेकों पत्रों के माध्यम से अनरोध करने पर भी उत्तरदाता कम्पनि अपने वायदे पूर्ण करने में जो कि याची के अन्तिम बिल नंबर ............ दिनांक .......... से सम्बंधित धनराशी रु............ के भुगतान करने मे असफल हो गई।

1. यह कि उत्तरदाता कम्पनी उसी को अच्छी तरह से ज्ञात कारणों से भुगतान नहीं किया गया और याची के द्वारा किये गये सभी प्रयास असफल रहे।
2. यह कि उत्तरदाता कम्पनी इस प्रकार उसके बिल संख्या ............ दिनांक ............ की धनराशि रु० ............ का भुगतान रु० 18% ब्याज सहित दिनांक ............ से वास्तविक भुगतान होने की तिथि तक करने के लिए बाध्य है।
3. यह कि इसके बाद दिनांक ............ को याची द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से एक न्यायिक नोटिस धारा 434 कम्पनीज एक्ट, 1956 के प्राविधान के तहत तामील कराया गया । उपरोक्त नोटिस पंजीकृत ए०डी० द्वारा डाकखाने के माध्यम से भेजा गया था जिसे उत्तरदाता कम्पनी द्वारा प्राप्त किया गया। नोटिस की तामील हो जाने के बावजूद भी याची का भुगतान नहीं किया गया।
4. यह कि याची को ज्ञात हुआ है कि कम्पनी के कर्जदारों की काफी बड़ी संख्या है जिनका भुगतान उत्तरदाता कम्पनी द्वारा नहीं किया गया। उत्तरदाता कम्पनी व्यापारिक रूप से दीवालिया हो गई है जो कि अपने कर्मों के भुगतान करने के लायक नहीं है।
5. यह कि याची को भय है कि अपने कर्जदारों को धोखा देने की नियत से कम्पनी अपनी पूँजी को धोखाधड़ी से अपने व्यक्तिगत प्रयोग में लगा सकती है और कम्पनी के लेनदारों की भारी अपूर्णीय क्षति हो सकती है।
6. यह कि न्याय और स्वच्छता के हित में यह आवश्यक है कि उत्तरदाता कम्पनी को बन्द कर दिया जाये क्योंकि यह अपने लेनदारों का भुगतान करने में समर्थ नहीं है।
7. यह कि याची दिनांक ............. के नोटिस की सत्य प्रति जो कि उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से भेजा गया था, दायर कर रहा है । उपरोक्त नोटिस यहाँ परिशिष्ट ............ पर नत्थी है। डाकखाने की रसीद और साथ ही साथ ए० डी० जो कि उत्तरदाता से वापिस मिला भी यहाँ पर नत्थी किये जा रहे हैं जिन पर परिशिष्ट नंबर ............ पड़ा है।
8. यह कि याची द्वारा निवेदन किया जाता है कि उत्तरदाता कम्पनी बद इंतजाम वाली कम्पनी है। वह अपने कुप्रबन्ध में इस सीमा तक चली गई है कि इसके लेनदार अपनी पर्याप्त धनराशि वसूल नहीं कर सकते और याची को भय है कि प्रबन्धन द्वारा धोखाधड़ी और जालसाजी से कम्पनी का पूंजी को किसी अन्य मद में न लगा दें और उसके कर्जदार उत्तरदाता कम्पनी से अपना धन वसूल ना कर सकें।
9. यह कि याची के पास अब कोई प्रभावी और तेज उपाय नहीं बचा है सिवाये इस मान्य न्यायालय के कार्यक्षेत्र का धारा 439 कम्पनीज एक्ट, 1956 में प्रयोग करने के ताकि कम्पनी को बन्द कराया जाये।

**प्रार्थना**

उपरोक्त परिस्थितियों में सविनय यह प्रार्थना की जाती है :

(क) उत्तरदाता कम्पनी ............ को समाप्त किये जाने के आदेश धारा 439 कम्पनीज एक्ट 1996 के अन्तर्गत अपने कर्जदारों के भुगतान न करने के कारण पारित किये जायें।

(ख) याची को याचिका का हर्जा खर्चा उत्तरदाता कम्पनी से दिलाया जाये। ।

(ग) अन्य कोई आदेश जो कि इस केस की परिस्थितियों में याची के हित में हो पारित किया जाये।

**स्थान.......**

**दिनांक....... ........याची**

**............द्वारा अधिवक्ता**

**शपथपत्र**

**(Affidavit)**

न्यायालय.............

कम्पनी याचिका संख्या ............ सन्.........

अ०ब०स० ............. वादी

**बनाम**

स००दफ० ............ प्रतिवादी

मैं कि............ पुत्र............. निवासी............. शपथ पूर्वक प्रतिज्ञा करता हूँ और शपथ पूर्वक कथन करता हूँ :

1. यह कि मैं ............. कम्पनी के निदेशकों में से एक निदेशक हूँ और उक्त वाद में याचिका दायर करता हूँ। मैं पूर्णतया उक्त याचिका कर्ताओं की ओर से शपथ पत्र देने के लिए अधिकृत हूँ।

2. यह कि याचिका के पैरा 1 से ............ तक में किया गया कथन मेरे निजी ज्ञान में सत्य है और पैरा............से............ तक में किया गया कथन सचना के आधार पर है जो कि मर विश्वास में सत्य है । अन्तिम पैरा ग्राफ इस मान्य न्यायालय से प्रार्थना है !

**............ शपथकर्ता**

**सत्यापन**

सत्यापित - दिनांक ............दिन ...........स्थान ............. पर यह किया जाता उक्त शपथपत्र के सभी कथन मेरी जानकारी में सत्य हैं और कछ भी इसमें छिपाया नहीं गया !

**............ शपथकर्ता**